

इस अंक में / In this issue

अनुसंधान उपलब्धियां

Research Highlights

- केन्द्रीय किस्मीय निर्मुक्ति समिति द्वारा अधिसूचित प्याज व लहसुन की किस्में
Onion and garlic varieties notified by CVRC
- दौंड खडकी: प्याज में काले कटवॉर्म हेतु एक हॉटस्पॉट
Daund Khadki: A hotspot for black cutworm in onion
- सफलता की गाथाएं
Success stories

संस्थान की गतिविधियां

Institutional Activities

- विचार-मंथन सत्रों का आयोजन
Brainstorming sessions organized
- प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन
Training Programme organized
- प्रदर्शनियों में सहभाग
Participation in Exhibitions
- दूरदर्शन प्रसारण एवं आकाशवाणी वार्ता
TV shows and Radio talks
- कार्मिक
Personnel

संकलन एवं संपादन

Compiled and Edited by

- डॉ. शैलेन्द्र शं. गाडगे/Dr. Shailendra S. Gadage
श्रीमती अश्विनी प्र. बेनके/Mrs. Ashwini P. Benke
डॉ. सौम्या पी.एस./Dr. Soumia P.S.
डॉ. मेजर सिंह /Dr. Major Singh

प्रकाशक / Published by

डॉ. मेजर सिंह, निदेशक
Dr. Major Singh, Director

निदेशक की ओर से

From Director's Desk



अक्तूबर-दिसम्बर के माह में बाजारों में प्याज की आवक में गंभीर कमी देखने को मिलती है। इसलिए, इस मौसम के दौरान प्याज के दाम अधिक हो जाते हैं। मार्च-अप्रैल में हासिल रबी प्याज के कंद बाजार में केवल सितम्बर तक ही उपलब्ध रहते हैं। बाजार में प्याज की लगातार आपूर्ति को बनाये रखने में खरीफ प्याज की फसल अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अधिक मूल्यों का लाभ उठाने के लिए किसानों द्वारा खरीफ प्याज की उत्पादकता को बढ़ाये जाने की जरूरत है।

इस अवधि के दौरान, फसल उत्पादन, थ्रिप्स प्रबंधन, प्याज व लहसुन का निर्यात एवं यंत्रीकरण से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान तलाशने के प्रयोजन से विविध विचार-मंथन सत्र आयोजित किए गए। इस अवधि के दौरान केन्द्रीय किस्मीय निर्मुक्ति समिति द्वारा प्याज की सात किस्मों यथा भीमा सुपर, भीमा रेड, भीमा राज, भीमा डार्क रेड, भीमा किरण, भीमा शुभ्रा एवं भीमा श्वेता तथा लहसुन की एक किस्म यथा भीमा ओमकार को अधिसूचित किया गया। भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा विकसित अनुकूलनीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन

The critical shortage of onion arrival in the market has been experienced during October-December. Therefore, the prices of onion had peaked in this period. Rabi onion bulbs harvested in March-April were available in the market only up to September. Kharif onion crop plays very important role in maintaining steady supply in the market. Farmers need to enhance the productivity of kharif onion for getting benefit of high prices.

Several brainstorming sessions were organized during the period to address the important issues related to crop production, thrips management, export and mechanization of onion and garlic. Seven onion varieties viz., Bhima Super, Bhima Red, Bhima Raj, Bhima Dark Red, Bhima Kiran, Bhima Shubhra and Bhima Shweta; and one garlic variety viz., Bhima Omkar have been notified by Central Varietal Release Committee (CVRC). The

प्रौद्योगिकी का प्रमाणन किया गया और उसे प्याज उत्पादकों के बीच बढ़ावा दिया गया। पुणे जिले की दौंड तालुका में काले कटवॉर्म, *Agrotis ipsilon* का संक्रमण देखा गया। इसलिए, रबी 2017 के दौरान प्याज की फसल में इस नाशीजीव की आवर्ती और उसकी स्थिति की पुष्टि करने के लिए एक सर्वेक्षण किया गया। मोटर चालित प्याज श्रेणीकरण यंत्र के निर्माण और बिक्री के लिए भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय तथा आर.के. इन्जीनियरिंग वर्क्स के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए ताकि इस श्रेणीकरण यंत्र के व्यापक स्तरीय अंगीकरण में तेजी लाए जा सके।

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, निदेशालय ने अनेक विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें जनजातीय उप-योजना तथा मेरा गांव-मेरा गौरव योजना के तहत प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम, अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन नेटवर्क अनुसंधान परियोजना की वार्षिक कार्यशाला, अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक, स्वतंत्रता दिवस समारोह, संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम, सद्भावना दिवस, हिन्दी पखवाड़ा, सतर्कता सप्ताह, स्वच्छता अभियान, सामुदायिक सद्भावना अभियान सप्ताह, राष्ट्रीय एकता दिवस, संविधान दिवस तथा कृषि शिक्षा दिवस, आदि का आयोजन करना शामिल था।

हम, किसानों को लाभ पहुंचाने के प्रयोजन से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करने और साथ ही अनुसंधान व विकास गतिविधियों को प्रोत्साहित करने का प्रयास जारी रखेंगे। हमें आपके सुझावों एवं सहयोग की अपेक्षा है।



(मेजर सिंह, निदेशक)

adaptable integrated pest management technology developed by ICAR-DOGR was validated and promoted among the onion growers. Black cutworm, *Agrotis ipsilon* infestation was noticed in Daund taluka of Pune district. Therefore, a survey was carried out to ascertain the occurrence and status of this pest in onion during rabi 2017. A MoU had been signed between ICAR-DOGR and RK Engineering Works for manufacturing and sale of motorized onion grader to accelerate its widespread adoption.

During this period, the Directorate organized a number of programmes including trainings, demonstrations under TSP and MGMG schemes, AINRPOG Annual workshop, RAC meeting and celebrated Independence Day, Sankalp Se Siddhi programme, Sadbhavna Diwas, Hindi Pakhwada, Vigilance Week, Swachhata Abhiyan, Communal Harmony Campaign Week, National Unit Day, Constitution Day, Agricultural Education Day, etc. events.

We will continue to organize various events and also strive to promote research and development activities for the benefit of farmers. We look forward for your inputs and support.



(Major Singh, Director)

अनुसंधान उपलधियां

केन्द्रीय किस्मीय निर्मुक्ति समिति द्वारा अधिसूचित प्याज एवं लहसुन की किस्में

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय में उपलब्ध जननद्रव्य में आनुवंशिक सुधार एवं चयन के आधार पर, प्याज की दस तथा लहसुन की दो किस्मों को राष्ट्रीय स्तर पर जारी किया गया। इनमें से, लाल प्याज की किस्में यथा भीमा सुपर, भीमा रेड, भीमा डार्क रेड और सफेद प्याज की किस्में यथा भीमा शुभ्रा एवं भीमा सफेद जहां खरीफ मौसम के लिए उपयुक्त हैं वहीं भीमा राज (गहरी लाल), भीमा शक्ति (लाल), भीमा लाइट रेड (हल्का लाल) और भीमा श्वेता (सफेद) रबी मौसम के लिए उपयुक्त हैं। इसके साथ ही भीमा शक्ति, भीमा सुपर, भीमा रेड, भीमा राज और भीमा शुभ्रा किस्में पछेती खरीफ मौसम के लिए भी उपयुक्त हैं, जिससे यह पता चलता है कि परिवर्तनशील जलवायु में इन किस्मों में व्यापक अनुकूलता है। इनमें से, प्याज की सात किस्मों नामतः भीमा सुपर, भीमा रेड, भीमा राज, भीमा डार्क रेड, भीमा किरण, भीमा शुभ्रा और भीमा श्वेता; तथा लहसुन की एक किस्म यथा भीमा ओमकार को केन्द्रीय किस्मीय निर्मुक्ति समिति द्वारा अधिसूचित किया गया है।

Research Highlights

Onion and garlic varieties notified by CVRC

Based on genetic improvement and selection in the available germplasm at ICAR-DOGR, ten onion and two garlic varieties have been released at national level. Among these, red onion varieties viz. Bhima Super, Bhima Red, Bhima Dark Red and white onion varieties viz. Bhima Shubhra and Bhima Safed are suitable for *kharif* season whereas, Bhima Raj (dark red), Bhima Shakti (red), Bhima Kiran (red), Bhima Light Red (light red) and Bhima Shweta (white) are suitable for *rabi* season. Bhima Shakti, Bhima Super, Bhima Red, Bhima Raj and Bhima Shubhra are also suitable for late *kharif* which indicates that these varieties have wider adaptability in changing climate. Out of these, seven onion varieties viz. Bhima Super, Bhima Red, Bhima Raj, Bhima Dark Red, Bhima Kiran, Bhima Shubhra and Bhima Shweta; and one garlic variety viz. Bhima Omkar have been notified by Central Varietal Release Committee (CVRC).

| किस्म Variety | अधिसूचना संख्या Notification No. | संस्तुत क्षेत्र Recommended area | प्रमुख विशेषताएं Salient features |
|------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| भीमा सुपर Bhima Super | एस.ओ. 3666 (ई), 6 दिसम्बर, 2016 S.O. 3666 (E), 6 th December 2016 | खरीफ छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, जम्मू, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओड़िशा, पंजाब, राजस्थान एवं तमिल नाडु Kharif Chhattisgarh, Delhi, Gujarat, Haryana, Jammu, Karnataka, Madhya Pradesh, Maharashtra, Odisha, Punjab, Rajasthan and Tamil Nadu | <ul style="list-style-type: none"> आकर्षक लाल रंग के कंद, कंद का भार 70–80 ग्राम, कुल घुलनशील ठोस पदार्थ अंश 11–12° ब्रिक्स एवं >5% जोड़ व तोर वाले कंद, खरीफ में उपज 20–22 टन/हेक्टेयर तथा पछेती खरीफ में उपज 40–45 टन/हेक्टेयर कंदीय परिपक्वता: खरीफ में रोपण के 100–105 दिन उपरान्त तथा पछेती खरीफ में रोपण के 110–120 दिन उपरान्त कंद की भण्डारण क्षमता: खरीफ में 30–45 दिन तथा पछेती खरीफ में 3 माह थ्रिप्स एवं पर्णिय रोगों की खेत सहिष्णु। अधिकांशतः एकल केन्द्रित कंद उत्पन्न होते हैं। निर्जलीकृत छल्लों के साथ साथ सलाद के रूप में उपयुक्त Attractive red, bulb weight 70-80g, TSS: 11-12° Brix and >5% doubles and bolters, yield 20-22 t/ha in <i>kharif</i> and 40-45 t/ha in late <i>kharif</i> Bulbs maturity: 100-105 DAT in <i>kharif</i>, 110-120 DAT in late <i>kharif</i> Bulb storability: 30-45 days in <i>kharif</i> and 3 months in late <i>kharif</i> Field tolerant to thrips and foliar diseases. Produces mostly single centered bulbs Suitable for making dehydrated rings as well as salad |
| भीमा रेड Bhima Red | एस.ओ. 2227 (ई), 17 अगस्त, 2015 S.O. 2227 (E), 17 th August 2015 | रबी महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश Rabi Maharashtra and Madhya Pradesh खरीफ दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान व तमिल नाडु Kharif Delhi, Gujarat, Haryana, Karnataka, Maharashtra, Punjab, Rajasthan and Tamil Nadu | <ul style="list-style-type: none"> मध्यम लाल रंग के कंद, कंद का भार 70–80 ग्राम, कुल घुलनशील ठोस पदार्थ अंश 10.5–11.5° ब्रिक्स एवं >5% जोड़ व तोर वाले कंद, खरीफ में उपज 19–21 टन/हेक्टेयर, पछेती खरीफ में उपज 45–50 टन/हेक्टेयर एवं रबी में उपज 30–32 टन/हे. कंदीय परिपक्वता: खरीफ में रोपण के 105–110 दिन उपरान्त तथा पछेती खरीफ व रबी में रोपण के 110–120 दिन उपरान्त कंद की भण्डारण क्षमता: खरीफ में 30–45 दिन तथा पछेती खरीफ व रबी में 3 माह थ्रिप्स एवं पर्णिय रोगों की खेत सहिष्णु। Medium red, bulb weight 70-80 g, TSS: 10.5-11.5° Brix and >5% doubles and bolters, yield 19-21 t/ha in <i>kharif</i>, 45-50 t/ha in late <i>kharif</i> and 30-32 t/ha in <i>rabi</i> Bulbs maturity 105-110 DAT in <i>kharif</i> and 110-120 DAT in late <i>kharif</i> and <i>rabi</i> Bulb storability: 30-45 days in <i>kharif</i> and 3 months in late <i>kharif</i> and <i>rabi</i> Field tolerant to thrips and foliar diseases |
| भीमा डार्क रेड Bhima Dark Red | एस.ओ. 2227 (ई), 17 अगस्त, 2015 S.O. 2227 (E), 17 th August 2015 | खरीफ छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, जम्मू, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओड़िशा, पंजाब, राजस्थान एवं तमिल नाडु Kharif Chhattisgarh, Delhi, Gujarat, Haryana, Jammu, Karnataka, Madhya Pradesh, Maharashtra, Odisha, Punjab, Rajasthan and Tamil Nadu | <ul style="list-style-type: none"> गहरे लाल रंग के कंद, कंद का भार 60–70 ग्राम, कुल घुलनशील ठोस पदार्थ अंश 11–12° ब्रिक्स एवं >5% जोड़ व तोर वाले कंद, खरीफ में उपज 22–24 टन/हेक्टेयर कंदीय परिपक्वता: खरीफ में रोपण के 100–110 दिन उपरान्त कंद की भण्डारण क्षमता: 2 माह खुदाई अथवा तुड़ाई के तुरंत बाद कंद गहरा लाल रंग हासिल कर लेते हैं, अगेती एवं एकसमान परिपक्वता थ्रिप्स एवं पर्णिय रोगों की खेत सहिष्णु। Dark red, bulb weight 60-70 g, TSS: 11-12° Brix and >5% doubles and bolters, yield 22-24 t/ha in <i>kharif</i> Bulbs maturity: 100-110 DAT in <i>kharif</i> Bulb storability: 2 months Bulb attains immediate dark red colour after harvest, early and uniform maturity Field tolerant to thrips and foliar diseases |
| भीमा किरण Bhima Kiran | एस.ओ. 2227 (ई), 17 अगस्त, 2015 | रबी आन्ध्र प्रदेश, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब एवं उत्तर प्रदेश | <ul style="list-style-type: none"> हल्के लाल रंग के कंद, कंद का भार 60–70 ग्राम, कुल घुलनशील ठोस पदार्थ अंश 11.5–12.50 ब्रिक्स एवं >5% जोड़ व तोर वाले कंद, रबी में उपज 28–32 टन/हेक्टेयर |

| किस्म Variety | अधिसूचना संख्या Notification No. | संस्तुत क्षेत्र Recommended area | प्रमुख विशेषताएं Salient features |
|------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| | S.O. 2227 (E), 17 th August 2015 | Rabi Andhra Pradesh, Bihar, Delhi, Haryana, Karnataka, Maharashtra, Punjab and Uttar Pradesh | <ul style="list-style-type: none"> कंदीय परिपक्वता: रबी में रोपण के 125-135 दिन उपरान्त कंद की भण्डारण क्षमता : 5-6 माह एकसमान ग्रीवा पतन, भण्डारण में अच्छी थ्रिप्स एवं पर्णिय रोगों की खेत सहिष्णु। Light red, bulb weight 60-70 g, TSS: 11.5-12.5⁰Brix and >5% doubles and bolters, yield 28-32 t/ha in <i>rabi</i> Bulbs maturity: 125-135 DAT in <i>rabi</i> Bulb storability: 5-6 months Uniform neck-fall, good in storage Field tolerant to thrips and foliar diseases |
| भीमा शक्ति Bhima Shakti | केन्द्रीय किस्मीय निर्मुक्ति समिति की 24वीं बैठक के कार्यवृत्त के अनुसार As per Minutes of 24 th Meeting CVRC | रबी आन्ध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश Rabi Andhra Pradesh, Bihar, Chhattisgarh, Delhi, Gujarat, Haryana, Karnataka, MP, Maharashtra, Odisha, Punjab, Rajasthan and Uttar Pradesh. | <ul style="list-style-type: none"> लाल रंग के कंद, कंद का भार 60-80 ग्राम, कुल घुलनशील ठोस पदार्थ अंश 12-13⁰ ब्रिक्स एवं >5% जोड़ व तोर वाले कंद, रबी एवं पछेती खरीफ में उपज क्रमशः 28-30 टन/हेक्टेयर एवं 35-40 टन/हेक्टेयर कंदीय परिपक्वता: रबी एवं पछेती खरीफ में रोपण के 125-135 दिन उपरान्त कंद की भण्डारण क्षमता : 5-6 माह रबी के दौरान एकसमान ग्रीवा पतन एवं पछेती खरीफ के दौरान 70% ग्रीवा पतन थ्रिप्स की सन्तुलित सहिष्णु एवं पर्णिय रोगों की खेत सहिष्णु साथ ही यह पछेती खरीफ हेतु गुजरात, कर्नाटक और महाराष्ट्र के लिए भी उपयुक्त है। Red, bulb weight 60-80 g, TSS: 12-13⁰Brix and >5% doubles and bolters, yield 28-30 t/ha in <i>rabi</i> and 35-40 t/ha in late <i>kharif</i> Bulbs maturity: 125-135 DAT in <i>rabi</i> and late <i>kharif</i> Bulb storability: 5-6 months Uniform neck fall during <i>rabi</i> and <70% neck fall during late <i>kharif</i> Moderately tolerant to thrips and field tolerant to foliar diseases It is also suitable for late <i>kharif</i> in Gujarat, Karnataka and Maharashtra |
| भीमा श्वेता Bhima Shweta | एस.ओ. 2227 (ई), 17 अगस्त, 2015 S.O. 2227 (E), 17 th August 2015 | रबी आन्ध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब एवं उत्तर प्रदेश Rabi Andhra Pradesh, Bihar, Chhattisgarh, Delhi, Haryana, Karnataka, MP, Maharashtra, Odisha, Punjab and Uttar Pradesh खरीफ छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान एवं तमिल नाडु Kharif Chhattisgarh, Gujarat, Karnataka, Madhya Pradesh, Maharashtra, Odisha, Rajasthan and Tamil Nadu | <ul style="list-style-type: none"> आकर्षक सफेद रंग के कंद, कंद का भार 60-70 ग्राम, कुल घुलनशील ठोस पदार्थ अंश 11-12⁰ ब्रिक्स एवं >5% जोड़ व तोर वाले कंद, खरीफ एवं रबी में उपज क्रमशः 18-20 टन/हेक्टेयर एवं 26-30 टन/हेक्टेयर कंदीय परिपक्वता: खरीफ तथा रबी में क्रमशः रोपण के 100-105 एवं 110-120 दिन बाद कंद की भण्डारण क्षमता: खरीफ में 30-45 दिन और रबी में 3 माह थ्रिप्स की खेत सहिष्णु। एकसमान ग्रीवा पतन और इसका उपयोग प्रसंस्करण तथा भोज्य प्रयोजन हेतु किया जा सकता है। Attractive white, bulb weight 60-70 g, TSS: 11-12⁰Brix and >5% doubles and bolters, yield 18-20 t/ha in <i>kharif</i> and 26-30 t/ha in <i>rabi</i>. Bulbs maturity 100-105 DAT in <i>kharif</i> and 110-120 DAT in <i>rabi</i> Bulb storability: 30-45 days in <i>kharif</i> and 3 months in <i>rabi</i> Field tolerant to thrips Uniform neck fall and can be used for processing and table purpose |

| किस्म Variety | अधिसूचना संख्या Notification No. | संस्तुत क्षेत्र Recommended area | प्रमुख विशेषताएं Salient features |
|--------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| भीमा शुभ्रा Bhima Shubhra | एस.ओ. 2227 (ई), 17 अगस्ता, 2015 S.O. 2227 (E), 17 th August 2015 | खरीफ छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओड़िशा, राजस्थान एवं तमिल नाडु Kharif Chhattisgarh, Gujarat, Karnataka, Madhya Pradesh, Maharashtra, Odisha, Rajasthan and Tamil Nadu | <ul style="list-style-type: none"> आकर्षक सफेद रंग के कंद, कंद का भार 70-80 ग्राम, कुल घुलनशील ठोस पदार्थ अंश 10-12° ब्रिक्स एवं >5% जोड़ व तोर वाले कंद, खरीफ एवं पछेती खरीफ में उपज क्रमशः 18-20 टन/हेक्टेयर एवं 36-42 टन/हेक्टेयर कंदीय परिपक्वता: खरीफ तथा पछेती खरीफ में क्रमशः रोपण के 110-115 एवं 120-130 दिन उपरान्त कंद की भण्डारण क्षमता: खरीफ एवं पछेती खरीफ में क्रमशः 30-45 दिन एवं 3 माह थ्रिप्स की सन्तुलित सहिष्णु। गुजरात, कर्नाटक व महाराष्ट्र में पछेती खरीफ मौसम के लिए उपयुक्त Attractive white, bulb weight 70-80g, TSS: 10-12° Brix and >5% doubles and bolters, yield 18-20t/ha in <i>kharif</i> and 36-42 t/ha in late <i>kharif</i> Bulbs maturity 110-115 DAT in <i>kharif</i> and 120-130 DAT in late <i>kharif</i> Bulb storability 30-45 days in <i>kharif</i> and 3 months in late <i>kharif</i> Moderately tolerant to thrips Suitable for late <i>kharif</i> in Gujarat, Karnataka and Maharashtra |
| भीमा ओमकार Bhima Omkar | एस.ओ. 2227 (ई), 17 अगस्त, 2015 S.O. 2227 (E), 17 th August 2015 | रबी दिल्ली, गुजरात हरियाणा एवं राजस्थान Rabi Delhi, Gujarat, Haryana and Rajasthan | <ul style="list-style-type: none"> मध्यम आकार के गठीले सफेद कंद, फसल 120-135 दिन में पककर तैयार हो जाती है, उपज 10-12 टन/हे. थ्रिप्स एवं पर्णाय रोगों की सन्तुलित सहिष्णु। कंद की भण्डारण क्षमता : 6-8 माह Medium size compact white bulbs and matures in 120-135 days, yield 10-12 t/ha Moderately tolerant to thrips and foliar diseases Bulb storability: 6-8 months |



भीमा सुपर/Bhima Super



भीमा राज/Bhima Raj



भीमा रेड/Bhima Red



भीमा डार्क रेड/Bhima Dark Red



भीमा शक्ति/Bhima Shakti



भीमा किरण/Bhima Kiran



भीमा श्वेता/Bhima Shweta



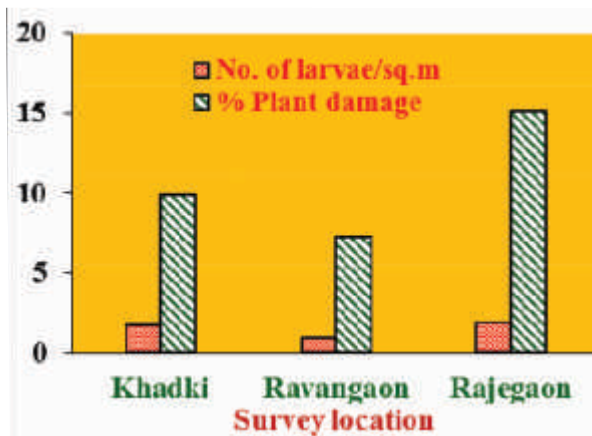
भीमा शुभ्रा/Bhima Shubhra



भीमा सफेद/Bhima Safed

दौंड खड़की : प्याज में काले कटवॉर्म *एग्रोटिस इप्सीलोन* का एक हॉट-स्पॉट

काला कटवॉर्म, *एग्रोटिस इप्सीलोन* (हफनेजल) एक सर्वदेशीय अथवा विश्वव्यापी नाशीजीव है जो कि कीट वंश लेपिडोप्टेरा और परिवार नॉक्ट्यूडी से संबंध रखता है। इस नाशीजीव द्वारा अनेक कृषि एवं बागवानी फसलों को संक्रमित किया जा रहा है। रबी 2016 (दिसम्बर) के दौरान किए गए एक यादृच्छिक सर्वेक्षण में पुणे जिले के दौंड तालुका में किसानों के खेतों पर कटवॉर्म संक्रमण का सन्तुलित से लेकर गंभीर रूप देखने को मिला। रबी 2017 (दिसम्बर) के दौरान प्याज की फसल में इस नाशीजीव की आवर्ती और स्थिति की पुष्टि करने के लिए महाराष्ट्र में पुणे जिले के दौंड तालुका में एक सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण किए गए गांवों यथा रावणगांव, पाटस और रंजणगांव में क्रमशः 9.96 प्रतिशत, 7.31 प्रतिशत व 15.13 प्रतिशत के संक्रमण स्तर के साथ प्याज के खेतों में प्रति वर्ग मीटर क्रमशः 1.8, 1.0 और 2.0 कटवॉर्म लार्वा की औसत संख्या का पता चला। प्रकोप सहन करने वाले प्याज पौधे 35-40 दिन की आयु वाले और 3-4 पत्ती अवस्था वाले थे। इस वर्ष (2017) का नाशीजीव संख्या रूझान भी पिछले वर्ष (2016) के समान ही था। एक कटवॉर्म आमतौर पर पौध पर हमला करता है, तने पर मृदा के स्तर पर अथवा उससे नीचे नुकसान पहुंचाता है जिससे पौधे सूखने तथा मुरझाने लगते हैं। अधिक संक्रमण होने पर, खेत में पौधे में भूरे मृत धब्बे वाले क्षतिग्रस्त लक्षण दिखाई देने लगते हैं। सर्वेक्षण किए गए इन क्षेत्रों में साइपरमेथ्रिन तथा क्लोरपायरीफॉस जैसे पादप बचाव करने वाले रसायनों का उपयोग किया गया था। कई वर्षों से काले कटवॉर्म का बार बार आने से, प्याज के इस नुकसानदायक नाशीजीव के लिए यह क्षेत्र हॉटस्पॉट बन गया है।



Daund Khadki: A hot spot of black cutworm *Agrotis ipsilon* in onion

Black cutworm, *Agrotis ipsilon* (Hufnagel), a cosmopolitan pest belonging to the insect order Lepidoptera and family Noctuidae. The pest is infesting numerous agricultural and horticultural crops. During *rabi* 2016 (December) from a random pest survey, moderate to severe form of cutworm infestation was noticed at the farmer's field in Daund Taluka of Pune District. To ascertain the occurrence and status of this pest in onion during *rabi* 2017 (December), a survey was carried out in Daund Taluk, Pune District of Maharashtra. Survey revealed that an average number of 1.8, 1.0 and 2.0 cutworm larva per sq. m area of onion fields with an infestation level of 9.96%, 7.31% and 15.13% respectively at the surveyed villages viz., Ravangaon, Patas and Ranjangaon. The age of attacked onion plants was 35-40 days old and 3-4 leaves stage. The pest population trend of this year (2017) was similar that of previous year (2016). A cutworm generally attacks seedlings, severing stems at or below the level of soil, thereby leading to drying and wilting of plants. Under heavy infestation, typical damage symptoms of brown dead patches of plants are noticed in the field. Plant protection chemicals like cypermethrin and chlorpyrifos were mainly used in these surveyed areas. Occurrence of black cutworm over the year in these pockets seems to be hot spot for this notorious pest of onion.



वी. करुप्पैया, सौम्या पी.एस., दिलीपसुन्दर एन. एवं मेजर सिंह
V. Karuppaiah, Soumia, P.S., Dilipsundar, N. and Major Singh

सफलता की गाथाएं

विदर्भ क्षेत्र में भीमा श्वेता की एक सफल गाथा

महाराष्ट्र राज्य में विदर्भ क्षेत्र के वासिम जिले में सोयाबीन, कपास और तुर मुख्य फसलें हैं। वासिम जिले में हालिया वर्षों में सोयाबीन के उत्पादन में कमी देखने को मिली है जिसके कारण अधिकांश किसानों ने प्याज की खेती की ओर रुख किया है। खेती में इस बदलाव में भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय

Success stories

A success story of Bhima Shweta in Vidarbha region

Soybean, cotton and tur are the major crops in Washim district of Vidarbha region of Maharashtra State. The production of soybean has been decreased in recent years in Washim district. Most of the farmers have been shifted to onion cultivation. ICAR-

द्वारा उल्लेखनीय भूमिका निभाई गई है। वासिम जिले में मानोरी गांव के एक प्रगतिशील किसान, श्री शेखर महाकाल ने खरीफ मौसम में सफेद प्याज की किस्म भीमा श्वेता की खेती करने का निर्णय किया क्योंकि विदर्भ क्षेत्र में लाल प्याज की तुलना में सफेद प्याज को कहीं अधिक पसंद किया जाता है। भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा विकसित सफेद प्याज की किस्म 'भीमा श्वेता' की सिफारिश खरीफ और रबी मौसम में खेती के लिए की गई है। यह किस्म रोपाई के उपरान्त 110-120 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। श्री शेखर महाकाल ने भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय से 3 किग्रा. प्याज बीज खरीदे और भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा संस्तुत तकनीक का पालन करते हुए उठी हुई क्यारियों पर 1 एकड़ क्षेत्रफल में प्याज फसल तैयार की। श्री महाकाल ने एकसमान आकार वाले तथा जोड़ एवं तोर कंदों से रहित अच्छी गुणवत्ता वाले कंदों की 14 टन/एकड़ विपणन योग्य उपज हासिल की। इन्होंने इनकी बिक्री करके 2.0 लाख रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया। श्री महाकाल भीमा श्वेता किस्म के प्रदर्शन से अत्यधिक संतुष्ट हैं। भीमा श्वेता किस्म के प्रदर्शन से प्रभावित होकर इनके गांव के अन्य किसानों ने भी अगले वर्ष (खरीफ 2018) में अपने खेतों में इसकी खेती करने का निर्णय किया।



DOGR played ample role in this shifting of cultivation. A progressive farmer, Mr. Shekhar Mahakal from Manori village of Washim district had decided to cultivate white onion variety Bhima Shweta in *kharif* season as white onion is preferred over red onion in Vidarbha region. "Bhima Shweta" – a white onion variety developed by the ICAR-DOGR is recommended for *kharif* and *rabi* season. This variety matures in about 110-120 days after transplanting. Mr. Shekhar Mahakal had purchased 3 kg seed from ICAR-DOGR and raised onion crop on 1 acre area on raised bed as per recommended technology of ICAR-DOGR. Mr. Mahakal obtained a record marketable yield of 14 tons/acre of good quality bulbs with uniform size and without doubles, bolters etc. He earned a net profit of Rs 2.0 lakhs by marketing the produce. He is very satisfied with the performance of Bhima Shweta. The other farmers of his village were impressed by the performance of Bhima Shweta variety and decided to cultivate it in their fields in the next year (*kharif* 2018).



शैलेन्द्र शं. गाडगे, विजय महाजन, अमरजीत गुप्ता, राजीव ब. काले एवं मेजर सिंह
Shailendra S. Gadage, Vijay Mahajan, Amar Jeet Gupta and Major Singh

प्याज किस्म भीमा शक्ति : नंदुरबार जिले में सफल गाथा

भाकृअनुप-प्याज और लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर द्वारा विकसित एक आकर्षक लाल प्याज किस्म भीमा शक्ति, जिसमें अच्छी भण्डारण क्षमता है, महाराष्ट्र और आसपास के राज्यों में एक सफल गाथा बन चुकी है। इस किस्म के कंद आकर्षक लाल रंग के होते हैं, इन में अच्छी भण्डारण क्षमता होती है और यह रोपण के बाद 125-135 दिनों में परिपक्व होते हैं। यह धिप्स और पत्तेदार बीमारियों के लिए सहनशील है। भीमा शक्ति की विशिष्टता यह है कि, इस किस्म में रबी के दौरान एक समान ग्रीवा गिरती है और फसल कटाई के बाद कंद तत्काल आकर्षक लाल रंग प्राप्त करते हैं। साईं शेतकरी मंडल, श्रावणी, नवापुर, नंदुरबार, महाराष्ट्र के जनजातीय किसानों के समूह नेता श्री संदीप चंद्रसिंह कोकणी ने प्याज और लहसुन अनुसंधान निदेशालय की सिफारिश की गई तकनीक के अनुसार प्याज की कंद फसल लगाई और रबी 2014-15 में 135 क्विंटल प्रति एकड़ विपणन योग्य कंद उपज का उत्पादन किया और 1,25,000/- रुपये प्रति एकड़ की शुद्ध आय अर्जित की। हालांकि, रबी

Onion variety Bhima Shakti: A success story in Nandurbar district

Bhima Shakti is an attractive red onion variety with good bulb storability developed by the ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research, Rajgurunagar has become a success story in Maharashtra and adjoining states. This variety has attractive red bulbs with good storability and matures in 125-135 days after transplanting. It is also field tolerant to thrips and foliar diseases. Uniqueness of Bhima Shakti is uniform neck fall during *rabi* and bulb attains immediate attractive red colour after harvest. Mr. Sandip Chandrasingh Kokani, a group leader of tribal farmers of Sai Shetkari Mandal, Shrivani, Navapur, Nandurbar, Maharashtra had raised onion bulb crop as per DOGR recommended technology and produced 135 q per acre marketable bulb yield in *rabi* 2014-15 and earned net income of Rs. 1,25,000/- per acre however, during *rabi* 2016-17 he

2016-17 के दौरान उन्होंने 134 क्विंटल प्रति एकड़ बाजार योग्य कंद उपज का उत्पादन किया और 65,000/- रुपये प्रति एकड़ की शुद्ध आय अर्जित की, जब कि प्याज कंद सिर्फ 6.50 रुपये प्रति किलो की दर से बेचा गया था। मेरली याहा शेतकरी बचत गट, पालीपाडा, नवापुर, नन्दुरबार, महाराष्ट्र के जनजातीय किसानों के समूह नेता श्री हरीश नूरजी वालवी ने प्याज और लहसुन अनुसंधान निदेशालय की सिफारिश की गई तकनीक के अनुसार प्याज की कंद फसल लगाई और 130 क्विंटल प्रति एकड़ विपणन योग्य कंद उपज का उत्पादन किया और 1,15,000/- रुपये प्रति एकड़ की शुद्ध आय अर्जित की। देश के विभिन्न हिस्सों में भीमा शक्ति के प्याज कंद और बीज उत्पादन पर किए गए कई प्रदर्शन से, जिनमें नन्दुरबार के जनजातीय क्षेत्र के पचास प्रदर्शन शामिल हैं, किसानों को फायदा हुआ क्योंकि भीमा शक्ति में अच्छी भण्डारण क्षमता पाई गई और रबी के दौरान कंदों को छह महीने तक भंडारित किया गया। इसलिए, किसानों ने इस किस्म में रुचि दिखाई है और प्याज और लहसुन अनुसंधान निदेशालय ने भी अब तक भीमा शक्ति के 42 क्विंटल से अधिक बीज बेचा है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, छत्तीसगढ़, ओडिशा और मिजोरम सहित विभिन्न राज्यों में अब यह किस्म 67,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में प्रसारित हो गई है। भीमा शक्ति की अच्छी भण्डारण क्षमता के कारण, किसान बाजार की कीमत अधिक होने पर भंडारित कंद बेचकर अधिक कमाई कर सकते हैं। ज्यादातर किसान भीमा शक्ति की खेती करके अक्सर 70,000-80,000 रुपये प्रति एकड़ से अधिक का शुद्ध लाभ कमा रहे हैं। किसानों ने एकसमान ग्रीवा गिरने, आकर्षक लाल बड़े आकार के कंद, उच्च कंद उपज और अच्छी भण्डारण क्षमता के कारण इस किस्म में रुचि दिखाई है।



produced 134 q per acre marketable bulb yield and earned net income of Rs. 65,000/- per acre even when onion bulbs were sold at the rate of Rs. 6.50 per kg. Mr. Harish Nurjee Valvi, a group leader of tribal farmers of Merali Yaha Shetkari Bachat Gat, Palipada, Navapur, Nandurbar, Maharashtra had raised onion bulb crop as per DOGR recommended technology and produced 130 q per acre marketable bulb yield and earned net income of Rs. 1,15,000/- per acre. Several demonstrations have been conducted in different parts of the country on onion bulb and seed production of Bhima Shakti including fifty-four demonstrations under tribal belts of Nandurbar and farmers were benefited because Bhima Shakti was found good for bulb storability and bulbs can be stored up to six months during *rabi*. Hence, farmers have shown interest in this variety and ICAR-DOGR has already sold more than 42 q seed of Bhima Shakti. This variety is now grown over 67,000 ha in different states including Maharashtra, Karnataka, Gujarat, Madhya Pradesh, Uttar Pradesh, Punjab, Chhattisgarh, Odisha and Mizoram. Due to good bulb storability of Bhima Shakti, farmers can earn more income by selling stored bulb when market price becomes high. Most of the farmers are often earning a net profit of more than Rs. 70,000-80,000 per acre by cultivating Bhima Shakti. Farmers have shown interest in this variety owing to its uniform neck fall, attractive red big size bulb, high bulb yield and good storability.



अमरजीत गुप्ता, विजय महाजन, के. ई. लवांडे, शैलेन्द्र शं. गाडगे, एवं मेजर सिंह
Amar Jeet Gupta, Vijay Mahajan, K.E. Lawande, Shailendra S. Gadge and Major Singh

संस्थान की गतिविधियां

जनजातीय उप-योजना के तहत गतिविधियां

जनजातीय उप-योजना के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम और संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 26 अगस्त, 2017 को कृषि विज्ञान केन्द्र, नन्दुरबार में भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे और कृषि विज्ञान केन्द्र, नन्दुरबार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। जनजातीय उप-योजना के तहत नन्दुरबार के विभिन्न भागों से 160 जनजातीय किसानों सहित कुल 783

Institutional Activities

Activities under TSP

Training under TSP and Sankalp to Siddhi programme were jointly organized by ICAR-DOGR, Rajgurunagar and KVK, Nandurbar on 26 August, 2017 at KVK, Nandurbar. A total of 783 farmers including 160 tribal farmers under TSP participated in the programme from different parts of Nandurbar. The farmers were trained for cultivation of onion and garlic through

किसानों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। किसानों को भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों के माध्यम से प्याज व लहसुन की खेती के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। डॉ. ए.जे. गुप्ता, प्रधान वैज्ञानिक (बागवानी) एवं नोडल अधिकारी (जनजातीय उप-योजना) ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय करते हुए नन्दुरबार में जनजातीय उप-योजना की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। डॉ. गुप्ता ने प्याज व लहसुन की व्यावसायिक खेती पर तथा साथ ही प्याज व लहसुन की खेती के माध्यम से जनजातीय किसानों की आजीविका सुरक्षा पर व्याख्यान प्रस्तुत किए। वर्ष 2017-18 में रबी प्रदर्शन के लिए किसानों के बीच प्याज की किस्म 'भीमा शक्ति' के बीजों को वितरित किया गया। भारत छोड़ो आन्दोलन के 75 वर्ष पूरा होने की याद में डॉ. सुभाष भामरे, केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार ने सभी प्रतिभागियों को 'संकल्प से सिद्धि' शपथ दिलाई। इस अवसर पर डॉ. भामरे ने संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम की महत्ता और किसानों की प्रगति के लिए केन्द्र सरकार द्वारा की गई नई पहल के बारे में बताया। माननीय मंत्री महोदय ने उंची शेवडी गांव के जनजातीय किसान समूह 'नचिकेत शेती उत्पादक गट' को भी सम्मानित किया। इस समूह द्वारा जनजातीय उप-योजना के तहत भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा विकसित प्याज किस्म 'भीमा सुपर' के एक एकड़ कृषि क्षेत्र से 398 किग्रा. बीज उत्पादन किया गया और वापसी खरीद आधार पर भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय से 1.96 लाख रुपये प्राप्त किए गए जिससे कि पारम्परिक खेती की तुलना में प्याज बीज उत्पादन से प्रति इकाई क्षेत्रफल से कहीं अधिक आमदनी होने का पता चलता है। श्री के.के. पाटील, अध्यक्ष, डॉ. हेडगेवार सेवा समिति, नन्दुरबार; डॉ. मल्लिनाथ कालसेट्टी, जिला मजिस्ट्रेट; श्री संजय पाटील, एसपी, नन्दुरबार; श्री आर.एस. दहातोंडे, प्रभारी, कृषि विज्ञान केन्द्र ; तथा श्री आर.एम. पाटील, विषय वस्तु विशेषज्ञ (बागवानी), कृषि विज्ञान केन्द्र, नन्दुरबार भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

निदेशालय द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, नन्दुरबार के साथ सहयोग करते हुए जनजातीय उप-योजना के अंतर्गत 'प्याज व लहसुन की व्यावसायिक खेती' पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 4-5 अक्टूबर, 2017 को किया गया। इसमें नन्दुरबार के विभिन्न गांवों से लगभग 203 जनजातीय किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन, इसका आयोजन श्रावणी में किया गया जबकि दूसरे दिन का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र, नन्दुरबार में किया गया। डॉ. ए.जे. गुप्ता, नोडल अधिकारी (जनजातीय उप-योजना) ने नन्दुरबार में पिछले चार वर्षों में जनजातीय उप-योजना की गतिविधियों और

technologies developed by ICAR-DOGR. Dr. A. J. Gupta, Principal Scientist (Hort.) & Nodal Officer (TSP) coordinated the training programme and highlighted TSP activities in Nandurbar. Dr. Gupta delivered lectures on commercial cultivation of onion and garlic as well as livelihood security of tribal farmers through onion and garlic. Onion seed of variety 'Bhima Shakti' was distributed among the farmers for *rabi* demonstration in 2017-18. On the memory of the completion of 75 years of Quit India Movement, the pledge 'Sankalp Se Siddhi' was administered by Dr. Subhash Bhamre, Union State Defence Minister to all the participants. On this occasion, Dr. Bhamre explained the importance of Sankalp Se Siddhi and new initiatives taken by central government for progress of farmers. He felicitated one of tribal farmers group 'Nachiket Sheti Utpadak Gat' of Uchhi Shevdi village as this group produced 398 kg seed from one acre area of onion variety 'Bhima Super' provided by ICAR-DOGR under TSP and received Rs. 1.96 lakh from ICAR-DOGR on by-back basis indicating more income per unit area from onion seed production in comparison with traditional farming. Shri K. K. Patil, President, Dr. Hedgawar Seva Samiti, Nandurbar; Dr. Mallinath Kalsetti, District Magistrate; Mr. Sanjay Patil, SP, Nandurbar; Mr. R.S. Dahatonde, In-charge, KVK; and Mr. R.M. Patil, SMS (Hort.), KVK, Nandurbar were also present in the programme.

The Directorate has also organized a two days training programmes on "Commercial cultivation of onion and garlic" under the TSP scheme in collaboration with KVK, Nandurbar on 4-5 October 2017. About 203 tribal farmers from different villages of Nandurbar attended the programme. On the first day, training was organized at Shrivani. Second day training organized at KVK, Nandurbar. Dr. A. J. Gupta, Nodal Officer (TSP) explained TSP Scheme activities and performance from last four years in Nandurbar. He also delivered lecture on commercial cultivation of onion and garlic. Dr. A.R. Wakhare highlighted the



संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम/Sankalp to Siddhi programme

प्रदर्शन के बारे में बताया। डॉ. गुप्ता ने प्याज व लहसुन की व्यावसायिक खेती पर व्याख्यान भी प्रस्तुत किया। डॉ. ए.आर. वखरे ने स्वस्थ प्याज की पौद तैयार करने पर प्रकाश डाला। दिनांक 5 अक्टूबर, 2017 को जनजातीय उप-योजना के किसानों के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र, नन्दुरबार द्वारा सब्जी उत्पादक बैठक आयोजित की गई। डॉ. एन.वी. पंचभाई, सचिव, डॉ. हेडगेवार सेवा समिति; श्री आर. एस. दहातोंडे, प्रभारी, कृषि विज्ञान केन्द्र; श्री एस. देसले, एमपीकेवी; श्री खरडे, उप निदेशक, आत्मा, तथा श्री आर.एम. पाटील, विषय वस्तु विशेषज्ञ (बागवानी), कृषि विज्ञान केन्द्र, नन्दुरबार भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। डॉ. ए.जे. गुप्ता ने प्याज व लहसुन की उन्नत किस्मों और नन्दुरबार में जनजातीय उप-योजना का प्रभाव पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। अब अधिकांश जनजातीय किसान व्यावसायिक स्तर पर प्याज व लहसुन की खेती कर रहे हैं। महाराष्ट्र राज्य से उपलब्ध डाटा के अनुसार, पिछले चार वर्षों के दौरान नन्दुरबार में प्याज के खेती क्षेत्रफल तथा उत्पादन में लगभग 3.5 गुणा बढ़ोतरी हुई है।

मेरा गांव-मेरा गौरव योजना के तहत गतिविधियां

मेरा गांव-मेरा गौरव योजना के तहत कुल 15 गांवों नामतः गडाकवाडी, वरुडे, गुलानी, वाफगांव, जवुलके, रासे, दत्तवाडी, शेल पिम्लगांव, भोसे, दौंडकरवाडी, गोसासी, मिटगुडवाडी, कान्हुर मेसाई, खैरेवाडी तथा खैरेनगर में गतिविधियां चलाई गईं। भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे के वैज्ञानिकों ने समय समय पर किसानों को प्याज व लहसुन की उन्नत तकनीकों की जानकारी दी। इस योजना के तहत अंगीकृत किए गए गांवों में भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय की किस्मों के खरीफ, पछेती खरीफ और रबी प्याज फसल पर कुल 45 प्रदर्शन लगाए गए। कुल मिलाकर, वैज्ञानिकों व किसानों की 51 बैठकें आयोजित की गईं जिनमें ग्रामीणों को कृषि से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई जिसके परिणामस्वरूप हजारों किसान लाभान्वित हुए। मेरा गांव-मेरा गौरव कार्यक्रम के तहत अंगीकृत किए गए गांवों में वैज्ञानिक दल द्वारा स्वच्छता के महत्व पर जागरूकता प्रदान की गई। अंगीकृत गांवों में विभिन्न विषयों पर कुल 7 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। विषयों में शामिल थे : नाशीजीव एवं रोग प्रबंधन, रबी प्याज की तुड़ाई एवं भण्डारण, तुड़ाई उपरान्त प्रबंधन, खरीफ प्याज की खेती, तथा पौधशाला तैयार करना, आदि। भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय के वैज्ञानिक लगातार ग्रामीणों के सम्पर्क में बने रहे और उन्होंने किसानों द्वारा विभिन्न फसलों की खेती से जुड़े तकनीकी मुद्दों का समाधान करने के प्रयोजन से चिन्हित गांवों का दौरा किया। भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय में आयोजित दो विचार-मंथन सत्रों 'प्याज एवं लहसुन के निर्यात में चुनौतियाँ' और 'प्याज एवं लहसुन का यंत्रीकरण' में मेरा गांव-मेरा गौरव योजना द्वारा अंगीकृत गांवों के कुल 113 किसानों ने भाग लिया। इनके अलावा, विश्व मृदा दिवस मनाने के लिए आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर मेरा गांव-मेरा गौरव अंगीकृत गांवों के कुल 102 किसानों को मृदा स्वास्थ्य पत्रिकाएं प्रदान की गईं।

दुर्गापुरा, जयपुर, राजस्थान में अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन नेटवर्क अनुसंधान परियोजना की वार्षिक कार्यशाला

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे द्वारा दिनांक 1-2 जुलाई, 2017 को राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर, राजस्थान में प्याज व लहसुन पर अखिल भारतीय नेटवर्क अनुसंधान परियोजना की

raising of healthy onion seedlings. Vegetable Growers' Meet was organized by the KVK, Nandurbar for TSP farmers on 5 October 2017. Dr. N. V. Panchbhair, Secretary, Dr. Hedgewar Seva Samiti; Shri R. S. Dahatonde, In charge, KVK; Shri. S. Desale, MPKV; Shri Kharde, Deputy Director, ATMA and Mr. R. M. Patil, SMS (Horticulture), KVK, Nandurbar were present in the programme. Dr. A. J. Gupta delivered lecture on improved varieties of onion and garlic and impact of TSP in Nandurbar. Most of the tribal farmers are now cultivating onion and garlic at commercial level. According to data available from Maharashtra state, almost 3.5 times area and production of onion in Nandurbar has been increased in last four years.

Activities under MGMT

Under *Mera Gaon Mera Gaurav* scheme, activities were carried out in fifteen villages viz., Gadakwadi, Varude, Gulani, Wafgaon, Jawulke, Rase, Dattawadi, Shel Pimpalgaon, Bhose, Daundkarwadi, Gosasi, Mitgudwadi, Kanhur Mesai, Khairawadi and Khairanagar. The scientists of ICAR-DOGR provided scientific information to the farmers about improved technology of onion and garlic time to time. Total 45 Demonstrations on *kharif*, late *kharif* and *rabi* onion crop of ICAR-DOGR varieties were conducted in the villages adopted in this scheme. In total, 51 meetings of scientists with villagers were organized and information about various schemes related to agriculture was provided to the villagers due to which thousands of farmers benefitted. Awareness was imparted on the importance of cleanliness were conducted by group of scientists in the villages adopted under *Mera Gaon Mera Gaurav* programme. Total 7 training programmes on different topics such as; pest and disease management, *rabi* onion harvesting and storage, post-harvest management, *kharif* onion cultivation, nursery preparation, etc. were organized in the adopted villages. The scientists of ICAR-DOGR were in constant touch with the villagers and visited identified villages to address various technical issues in cultivation of various crops by the farmers. Total 113 farmers from MGMT villages were participated in two brainstorming sessions on "Challenges in Export of Onion and Garlic in India" and "Mechanization of Onion and Garlic" at ICAR-DOGR. Beside these, total 102 farmers from MGMT villages have been provided Soil Health Cards on the occasion of programme organized to celebrate World Soil Day.

Annual Workshop of AINRPOG at Durgapura, Jaipur

ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research, Rajgurunagar, Pune organized the VIIIth Annual Group meeting of All India Network Research Project on Onion and Garlic (AINRPOG) at Rajasthan Agricultural Research Institute (RARI), Durgapura,

8वीं वार्षिक समूह बैठक का आयोजन किया गया। इस समूह बैठक में देश के विभिन्न भागों से 80 से भी अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में किसान, छात्र तथा अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ. ए.के. सिंह, उप महानिदेशक (बागवानी विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने की। डॉ. जी. कल्लू, पूर्व कुलपति, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं पूर्व उप महानिदेशक (बागवानी एवं फसल विज्ञान) और डॉ. के.ई. लवांडे, पूर्व कुलपति, डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली एवं पूर्व निदेशक, भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे ने सम्माननीय अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। डॉ. एस.जे. सिंह, अनुसंधान निदेशक, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, जयपुर ने स्वागत सम्बोधन किया। डॉ. मेजर सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे ने परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन नेटवर्क अनुसंधान परियोजना और इसकी उपलब्धियों तथा दैनिक जीवन में इन फसलों के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। किसानों के लिए विकसित किस्मों के बीजों का गुणनीकरण करने पर बल दिया गया। डॉ. विजय महाजन, नोडल अधिकारी ने की गई कार्रवाई की रिपोर्ट को प्रस्तुत किया। डॉ. टी. जानकीराम, सहायक महानिदेशक (बागवानी विज्ञान), भाकृअनुप, नई दिल्ली; डॉ. आर.पी. गुप्ता, पूर्व निदेशक, एनएचआरडीएफ, नासिक; डॉ. वी.के. यादव, निदेशक (अनुसंधान सेवाएं), जोबनेर; डॉ. बी. सिंह, अध्यक्ष, एनएचआरडीएफ, नई दिल्ली; डॉ. पी.के. गुप्ता, निदेशक (कार्यकारी), एनएचआरडीएफ, नई दिल्ली ने विशेष आमंत्रित के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन नेटवर्क अनुसंधान परियोजना के तकनीकी कार्यक्रमों में सुधार लाने के लिए अपने मूल्यवान सुझाव दिए। पूर्ण सत्र में सिफारिशों को अंतिम रूप दिया गया जिसकी अध्यक्षता डॉ. ए.के. सिंह, उप महानिदेशक (बागवानी विज्ञान), भाकृअनुप, नई दिल्ली ने की। डॉ. पी.एस. राठौर, कुलपति, एसकेएनएयू, जोबनेर, राजस्थान इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, जयपुर में आयोजित समूह बैठक के लिए डॉ. एस.के. खण्डेलवाल ने आयोजन सचिव की जिम्मेदारी निभाई। डॉ. के.ई. लावण्डे की अध्यक्षता में किस्मीय निर्मुक्ति समिति द्वारा रबी मौसम के लिए जोन II

Jaipur on 1-2 July, 2017. The group meeting was attended by more than 80 delegates from various parts of the country. Farmers, students and other faculty members were also present. The inaugural session was chaired by Dr. A. K. Singh, DDG (HS), New Delhi. Dr. G. Kalloo, Ex-Vice Chancellor, JNKVV, Jabalpur and Ex-DDG (Horticulture & Crop Science) and Dr. K. E. Lawande, Ex-Vice Chancellor, Dr. BSKKV, Dapoli and Ex-Director, ICAR-DOGR, Pune were guests of honour. Welcome address was given by Dr. S. J. Singh, Director Research, RARI, Jaipur. Dr. Major Singh, Director, ICAR-DOGR presented the project report wherein he elaborated about AINRPOG and its achievements, with the importance of this crop in day to day life. Emphasis was laid on multiplication of seed of developed varieties for the farmers. Dr. Vijay Mahajan, Nodal Officer presented action taken report. Dr. T. Janakiram, ADG (HS), Dr. R. P. Gupta, Ex-Director, NHRDF, Nasik, Dr. V. K. Yadav, Director Research Services, Jobner, Dr. B. Singh, President, NHRDF, New Delhi, Dr. P. K. Gupta, Director (Act.), NHRDF, New Delhi were special invitee and gave valuable input for refining the technical programme of AINRPOG. The recommendations were finalized in plenary session which was chaired by Dr. A. K. Singh, DDG (HS), New Delhi, ICAR, New Delhi. Dr. P. S. Rathore, Vice-Chancellor, SKNAU, Jobner was chief guest on this occasion. Dr. S. K. Khandelwal was organizing Secretary for the group meeting at RARI, Jaipur. A varietal release committee under the chairmanship of Dr. K. E. Lawande recommended Sel. 153-1 (OSR-1347) red onion variety from IARI for release in Zone II (Delhi, Rajasthan, Haryana, J&K Jammu



(दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, जम्मू व कश्मीर जम्मू तथा पंजाब) में खेती के लिए जारी करने हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की लाल प्याज की किस्म सेल. 153-1 (ओएसआर-1347) की सिफारिश की गई और एनएचआरडीएफ की लाल प्याज किस्म कोल. 819 (ओएसआर-1344) की सिफारिश रबी मौसम के लिए जोन II (दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, जम्मू व कश्मीर जम्मू तथा पंजाब) तथा जोन V (गुजरात एवं महाराष्ट्र) में खेती के लिए जारी करने हेतु की गई।

and Punjab) for *rabi* season and Col. 819 (OSR-1344) red onion variety from NHRDF for release in Zone II (Delhi, Rajasthan, Haryana, J&K Jammu and Punjab) and Zone V (Gujarat & Maharashtra) for *rabi* season.

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय की 20वीं अनुसंधान सलाहकार समिति बैठक

दिनांक 17-18 दिसम्बर, 2017 को भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे की 20वीं अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता डॉ. वी.ए. पार्थसारथी, पूर्व निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान, कालीकट ने की। इस बैठक में उपस्थित अन्य, सदस्य थे : डॉ. वी.के. बरनवाल, प्रोफेसर (पादप रोगविज्ञान) एवं प्रभारी, विषाणुविज्ञान इकाई, भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली; डॉ. जे.सी. राणा, राष्ट्रीय समन्वयक, यूएन पर्यावरण जीईएफ परियोजना, बायोवर्सिटी इंटरनेशनल इंडिया आफिस, नई दिल्ली ; डॉ. डी.वी. सुधाकर राव, प्रधान वैज्ञानिक (बागवानी), फसलोत्तर प्रौद्योगिकी विभाग, भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बंगलुरु; डॉ. पल्ली चन्द्रशेखर राव, पूर्व डीन, पीजी अध्ययन, प्रो. जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद; एवं डॉ. मेजर सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे। डॉ. ए.जे. गुप्ता, भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे ने सदस्य सचिव के रूप में बैठक में भाग लिया। डॉ. ए.जे. गुप्ता, सदस्य सचिव द्वारा अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्यों तथा भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे के वैज्ञानिकों का परिचय देने के उपरान्त बैठक की कार्यवाही प्रारंभ हुई। डॉ. मेजर सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे ने अनुसंधान सलाहकार समिति के अध्यक्ष महोदय एवं सदस्यों का स्वागत करते हुए रिपोर्टीन अवधि के दौरान हासिल उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। अनुसंधान सलाहकार समिति के अध्यक्ष महोदय एवं सदस्यों द्वारा प्रस्तुत प्रारंभिक टिप्पणी के उपरान्त सदस्य सचिव ने 19वीं अनुसंधान सलाहकार समिति की सिफारिशों पर की गई कार्यवाही रिपोर्ट को प्रस्तुत किया जिसे अनुसंधान सलाहकार समिति द्वारा अनुमोदित किया गया। तदुपरान्त रिपोर्टीन अवधि के दौरान अनुसंधान परियोजनाओं के वैज्ञानिकों द्वारा प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की



गई। अनुसंधान सलाहकार समिति के अध्यक्ष महोदय एवं सदस्यों ने प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए परिणामों के बारे में विस्तार से चर्चा की। अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्यों ने संस्थान के अनुसंधान फार्म और प्रयोगशालाओं का दौरा भी किया। भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा किए गए कार्यों से अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य संतुष्ट थे। बैठक में सिफारिशों को अंतिम रूप दिया गया और उन्हें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद को प्रस्तुत किया गया।

20th RAC Meeting of ICAR-DOGR

The twentieth Research Advisory Committee meeting of ICAR-DOGR was held during 17-18 December, 2017 at Rajgurunagar under the chairmanship of Dr. V.A. Parthasarathy, Ex-Director, ICAR-IISR, Calicut. Other members namely, Dr. V.K. Baranwal, Professor (Plant Pathology) and Incharge, Virology Unit, ICAR-IARI, New Delhi, Dr. J. C. Rana, National Coordinator, UN Environment GEF Project, Biodiversity International-India Office, New Delhi, Dr. D. V. Sudhakar Rao, Principal Scientist (Horticulture), Department of Post-Harvest Technology, ICAR-IIHR, Bengaluru, Dr. Palli Chandrasekhar Rao, Ex-Dean, PG Studies, Prof. J.TSAU, Hyderabad, Dr. Major Singh, Director, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune and Dr. A. J. Gupta, Member Secretary, ICAR-DOGR attended the meeting. The meeting started with the introduction of members of RAC and scientists of ICAR-DOGR by Member Secretary Dr. A. J. Gupta. Dr. Major Singh, Director welcomed the Chairman and members of RAC and highlighted the achievements made during the reporting period. After opening remarks by the Chairman and members RAC, Member Secretary presented the Action Taken Report (ATR) on the 19th RAC recommendations and same was approved by RAC. This was followed by the presentations of progress report by the scientists of the research projects during the reporting period.



The Chairman and members of the RAC critically reviewed the progress report and discussed the results in detail. The members of RAC also visited research farm and labs. The members of the RAC were satisfied with the work of the ICAR-DOGR and recommendations were finalized and submitted to ICAR.

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय एवं आर.के. इन्जीनियरिंग वर्क्स के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

दिनांक 23 अगस्त, 2017 को भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय के मोटर चालित प्याज श्रेणीकरण यंत्र के उत्पादन एवं बिक्री हेतु भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे तथा मैसर्स आर.के. इन्जीनियरिंग वर्क्स, राजगुरुनगर, पुणे के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से भारत में इस श्रेणीकरण यंत्र के व्यापक स्तरीय अंगीकरण में तेजी लाई जाएगी और साथ ही अंतिम उपयोगकर्ताओं तक इसकी उपलब्धता को सुनिश्चित किया जाएगा। समझौता ज्ञापन के अनुसार, भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे द्वारा मोटर चालित प्याज श्रेणीकरण यंत्र के निर्माण और बिक्री के लिए आर.के. इन्जीनियरिंग वर्क्स, राजगुरुनगर, पुणे को नॉन-एक्सक्लूसिव लाइसेंस प्रदान किया गया। यह मोटर चालित प्याज श्रेणीकरण यंत्र एक अश्व शक्ति की मोटर से चलता है और प्याज को पांच श्रेणियों में बांटता है। इस ग्रेडर का इस्तेमाल गोलाकृति वाले अन्य फलों व सब्जियों यथा संतरा, चीकू, नींबू आदि की श्रेणीकरण करने में भी किया जा सकता है।



संकल्प से सिद्धि

भारत छोड़ो आन्दोलन के 75 वर्ष पूरा होने की याद में, दिनांक 9 अगस्त, 2017 को डॉ. मेजर सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे ने सभी कर्मचारियों को 'संकल्प से सिद्धि' शपथ दिलाई। इस अवसर पर, निदेशक महोदय ने भारत छोड़ो आन्दोलन के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। संस्थान के सभी कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया।



ICAR-DOGR Signs MoU with R.K. Engineering Works

A Memorandum of understanding (MoU) has been signed between ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research (DOGR), Rajgurunagar and M/s R.K. Engineering Works, Rajgurunagar for manufacturing and sale of ICAR-DOGR motorized onion grader on 23 August, 2017. This MoU will accelerate the widespread adoption of this onion grader in India and ensuring its availability to the end users. As per MoU, ICAR-DOGR extended the non-exclusive licence to R.K. Engineering Works, Rajgurunagar, Pune for manufacturing and sale of motorized onion grader. The motorized onion grader works with the 1HP motor grades onion into five grades. This grader can also be used for grading of other fruits and vegetables of round shape such as sweet orange, sapota, limes, lemon etc.



Sankalp to Siddhi

On the memory of the completion of 75 years of the launch of Quit India Movement, the pledge "Sankalp to Siddhi" was administered by Dr. Major Singh, Director, ICAR-DOGR to all staff on 9 August, 2017. On this occasion, the Director explained the importance of Quit India Movement. All staffs of the institute have participated with great enthusiasms.

स्वतंत्रता दिवस समारोह

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे द्वारा दिनांक 15 अगस्त, 2017 को 70वां स्वातंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। डॉ. मेजर सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अपने सम्बोधन में डॉ. मेजर सिंह ने देश के स्वातंत्रता संघर्ष में महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए सभी कर्मचारियों से उनसे प्रेरणा लेते हुए अपने पूरे सहयोग, ईमानदारी और एकता के साथ भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे की प्रगति में समर्पण भाव से कार्य करने के लिए कहा।

हिन्दी पखवाडा

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे में दिनांक 14 - 28 सितम्बर, 2017 के दौरान हिन्दी पखवाडा मनाया गया। इसका शुभारंभ दिनांक 14 सितम्बर, 2017 को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन करके किया गया। हिन्दी कार्यशाला में, श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, हिन्दी शिक्षण योजना, पुणे ने हिन्दी में अधिकतम कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए कम्प्यूटर एवं मोबाइल पर हिन्दी में टाइपिंग करने के बारे में जानकारी दी। हिन्दी पखवाडे के दौरान, निदेशालय में अनेक प्रतियोगिताओं यथा निबन्ध लेखन, हिन्दी वर्तनी श्रुतलेख, प्रश्न अनुमोदन, हिन्दी अनुवाद तथा वाद-विवाद का आयोजन किया गया जिनमें संस्थान के सभी वर्गों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। समापन समारोह का आयोजन दिनांक 28 सितम्बर, 2017 को किया गया जिसमें डॉ. ज्ञान चन्दा मिश्रा, निदेशक (सेवानिवृत्त), राष्ट्रीय कोशिका विज्ञान संस्थान, पुणे मुख्य अतिथि थे। डॉ. मेजर सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं निदेशक महोदय ने उपस्थितजनों को सम्बोधित किया और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम के अंत में, श्री शीतांशु कुमार, प्रशासनिक अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

सतर्कता सप्ताह

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय में दिनांक 30 अक्टूबर से 4 नवम्बर, 2017 के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इस अवसर



Celebration of Independence Day

ICAR-DOGR celebrated 70th Independence Day on 15 August, 2017. Dr Major Singh, Director, ICAR-DOGR hoisted the National Flag. In his speech, Dr. Major Singh reminded the sacrifices made by the great freedom fighters of the country and asked all the staff to get inspired by their work and devotion and implement the same for the progress of ICAR-DOGR with cooperation, honesty and unity.

Hindi Pakhwada

Hindi Pakhwada was celebrated from 14 - 28 September, 2017 at Directorate Onion and Garlic Research, Rajgurunagar, Pune. Hindi Pakhwad was launched with Hindi workshop on 14 September 2017. In Hindi Workshop, Shri Rajendra Kumar Verma from Hindi Shikshan Yojana, Pune gave information about writing, typing in Hindi on computer and mobile for encouraging maximum work in Hindi. During the Hindi Pakhwada, essay writing, Hindi spelling dictation, question approval, Hindi translation and debate competitions were organized in the Directorate, in which the employees of the Directorate increased their participation. The program closing ceremony was arranged on 28/09/2017, where the Chief Guest Dr. Gyan Chand Mishra, Director (Retired), National Institute of Cell Science, Pune was welcomed by the Dr. Major Singh. Director and chief guest delivered a speech and the award were distributed to the winners of the competition by the Chief Guest. Finally Mr. Shitanshu Kumar, Administrative Officer proposed the formal vote of thanks.

Vigilance Week

The Directorate celebrated vigilance awareness week during 30 October - 4 November, 2017. On this occasion Dr. Major Singh,



पर, डॉ. मेजर सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय ने सभी कर्मचारियों को संगठन के कार्य में निदेशालय को भ्रष्टाचार मुक्त, ईमानदार और पारदर्शिता बनाये रखने में निष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता बनाए रखने की शपथ दिलाई। डॉ. विजय महाजन, प्रधान वैज्ञानिक एवं सतर्कता अधिकारी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह पर अपने विचार प्रकट किए।

कृषि शिक्षा दिवस

स्वतंत्र भारत के प्रथम कृषि मंत्री एवं प्रथम राष्ट्रपति तथा भारत रत्न से सम्मानित डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती के उपलक्ष्य में भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे में दिनांक 3 दिसम्बर, 2017 को कृषि शिक्षा दिवस मनाया गया। छात्रों के बीच कृषि एवं सम्बद्ध विषयों के प्रति रुचि को बढ़ावा देने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन हुतात्मा राजगुरु हाई स्कूल, राजगुरुनगर, पुणे में किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 7 एवं 8 के लगभग 50 छात्रों ने अपने शिक्षकों और हुतात्मा राजगुरु हाई स्कूल के प्रबंधन मण्डल के प्रतिनिधियों के साथ भाग लिया। श्रीमती अश्विनी बेनके, वैज्ञानिक (आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन) ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। डॉ. राजीव बी. काले, वैज्ञानिक (कृषि प्रसार), भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे ने कृषि शिक्षा दिवस मनाने की पृष्ठभूमि के बारे में बताया। उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कृषि तथा कृषि में युवाओं की भूमिका के महत्व पर बल दिया। साथ ही उन्होंने छात्रों से कृषि के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने में सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने का अनुरोध किया। डॉ. एस.एस. गाडगे, वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि प्रसार), भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे ने कृषि के महत्व, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संगठनात्मक सेट-अप और कृषि अनुसंधान, शिक्षा एवं विकास गतिविधियों में इसकी भूमिका के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने इस कार्यक्रम में छात्रों की उत्साहजनक भागीदारी की प्रशंसा की। डॉ. एस. आनंदन, प्रधान वैज्ञानिक (जैव प्रौद्योगिकी) ने छात्रों का भारत में कृषि शिक्षा प्रणाली के बारे में मार्गदर्शन किया। डॉ. एस.एस. गाडगे, डॉ. योगेश खाडे, श्री विशाल गुरव, श्री राम बोम्बले तथा शिवाजी गोपाले ने छात्रों के लिए प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया। डॉ. विजय महाजन, प्रधान वैज्ञानिक

Director, pledged all the staff to keep integrity, honesty, transparency to keep directorate corruption free, honest and maintain transparency in the work at the organization. Dr. Vijay Mahajan, Principal Scientist and Vigilance Officer, expressed his views in the Vigilance Awareness Week.

Agricultural Education Day

ICAR- DOGR celebrated Agricultural Education Day on 3 December, 2017 to commemorate the birth anniversary of first Union Minister of Agriculture and first President of Independent India, Bharat Ratna Dr. Rajendra Prasad. The programme was organized at Hutatma Rajguru High School, Rajgurunagar for promoting the spirit of agriculture and allied subjects among the students. About 50 students of Class VII and VIII along with their teachers and management representatives of Hutatma Rajguru High School participated in the programme. Mrs. Ashwini Benke, Scientist (Genetics and Plant Breeding) welcomed all the participants and briefed about the programme. Dr. Rajiv B. Kale, Scientist, (Agril. Extension) ICAR-DOGR explained the background behind celebrating Agricultural Education Day. He emphasized on the importance of agriculture in rural economy and role of youth in agriculture. He also appealed to all the students to put the best efforts in shaping their career in the field of agriculture. Dr. S. S. Gadge, Senior Scientist (Agricultural Extension), ICAR-DOGR briefed about the importance of agriculture, organizational set up of ICAR and its role in agricultural research, education and development activities. He appreciated students' enthusiastic participation in this programme. Dr. S. Anandhan, Principal Scientist (Biotechnology) also guided the students about agricultural education system in India. Dr. S. S. Gadge, Dr. Yogesh Khade, Mr. Vishal Gurav, Mr. Ram Bomble and Shivaji Gopale conducted a



(बागवानी) इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। डॉ. महाजन ने छात्रों के माध्यम से किसानों के बीच नवोन्मेषी कृषि रीतियों को शामिल करने पर बल दिया। मुख्य अतिथि ने विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए। प्रो. डुम्बरे, प्रधानाचार्य, हुतात्मा राजगुरु हाई स्कूल, राजगुरुनगर ने प्याज एवं लहसुन की खेती करने वाले किसानों को वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करने में सक्रिय भूमिका का निर्वहन करने के लिए भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे की सराहना की। साथ ही उन्होंने अपने स्कूल में कृषि शिक्षा दिवस कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भी भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे को धन्यवाद दिया। श्रीमती अश्विनी बेनके द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

मनाई गई अन्य महत्वपूर्ण घटनाएं

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे में दिनांक 20 अगस्त, 2017 को सद्भावना दिवस मनाया गया। दिनांक 2 अक्टूबर, 2017 को महात्मा गांधी की जयंती मनाई गई। इस दिन निदेशालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वच्छता अभियान में भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे के सभी वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर निदेशालय द्वारा दिनांक 31 अक्टूबर, 2017 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। दिनांक 19-25 नवम्बर, 2017 की अवधि के दौरान भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे में सामुदायिक सद्भावना अभियान सप्ताह मनाया गया। इसके साथ ही निदेशालय में दिनांक 26 नवम्बर, 2017 को संविधान दिवस मनाया गया।

विचार-मंथन सत्रों का आयोजन

भाकृअनुप-प्याज अनुसंधान द्वारा निम्नलिखित विचार-मंथन सत्र आयोजित किए गए।

1. भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे में दिनांक 22 जुलाई, 2017 को अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन नेटवर्क अनुसंधान परियोजना के फसल उत्पादन अनुभाग तथा ड्रिप उर्वरीकरण प्रयोगों के तकनीकी कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए विचार-मंथन बैठक।
2. भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे में दिनांक 16 सितम्बर, 2017 को "भारत में प्याज व लहसुन के निर्यात में चुनौतियाँ" विषय पर विचार मंथन सत्र।
3. एनएससी, पूसा, नई दिल्ली में दिनांक 22 सितम्बर, 2017 को "थ्रिप्स : चुनौतियाँ एवं प्रबंधन विकल्प" विषय पर विचार-मंथन सत्र।
4. भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे में दिनांक 2 दिसम्बर, 2017 को "भारत में प्याज एवं लहसुन के यंत्रीकरण में चुनौतियाँ" विषय पर विचार-मंथन सत्र।

quiz competition. Dr. V. Mahajan Principal Scientist (Hort.) was the chief guest for the function. Dr. Mahajan emphasized on inculcating the innovative farm practices among the farmers through students as well. He distributed prizes to the winners. Prof. Dumbre, Principal, Hutatma Rajguru High School praised ICAR-DOGR for its active role in providing scientific information to onion and garlic farmers. He thanked ICAR-DOGR for organizing Agricultural Education Day programme at his School. The programme was ended with vote of thanks expressed by Mrs. Ashwini Benke.

Celebration of other important events

Sadbhavana Diwas was celebrated on the 20 August 2017 at the ICAR-Directorate of Onion and Garlic research to commemorate the birth anniversary of the erstwhile Prime Minister of India, Shri. Rajiv Gandhi. Mahatma Gandhi Jayanti was celebrated at the Directorate on 2 October, 2017. Swachhta Abhiyan was arranged in the campus of the Directorate on that day. All scientists and staffs of the ICAR-DOGR participated in the Swachhta Abhiyan. On the Birth Anniversary of the iron man of India, Sardar Vallabhbhai Patel, Directorate celebrated National Unity Day on 31 October, 2017. Communal Harmony Campaign Week was celebrated at ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research, Rajgurunagar during 19-25 November 2017. Directorate celebrated the Constitution Day on 26 November 2017.

Brainstorming sessions organized

The following brainstorming sessions were organized by ICAR-DOGR.

1. Brainstorming meeting to finalize technical programme of AINRPOG Crop Production section and drip fertigation experiments on 22 July, 2017 at ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune.
2. Brainstorming session on "Challenges in Export of Onion and Garlic in India" on 16 September, 2017 at ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune.
3. Brainstorming session on "Thrips: Challenges and Management Options" on 22 September, 2017 at NASC, New Delhi.
4. Brainstorming session on "Challenges in Mechanization of Onion and Garlic in India" on 2 December, 2017 at ICAR-DOGR, Rajgurunagar.



फसल उत्पादन अनुभाग (एआईएनआरपीओजी) के लिए विचार-मंथन बैठक
Brainstorming Meeting for Crop Production Section (AINRPOG)



प्याज एवं लहसुन के निर्यात पर विचार-मंथन सत्र
Brainstorming session on Export of Onion and Garlic



थ्रिप्स प्रबंधन पर विचार-मंथन सत्र/Brainstorming session on Thrips Management



प्याज एवं लहसुन के यंत्रीकरण पर विचार-मंथन सत्र
Brainstorming session on Mechanization of Onion and Garlic



प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन/ Training Programme organized

| प्रशिक्षण का विषय Topic of Training | द्वारा प्रायोजित Sponsored by | दिनांक एवं आयोजन स्थल Date and Venue | प्रतिभागियों की संख्या No. of participants |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------|
| खरीफ प्याज का पौधशाला प्रबंधन Kharif onion nursery management | मेरा गांव - मेरा गौरव, भाकृअनुप - प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune | 15 जुलाई, 2017 जवुलके 15 July, 2017 Jawulke | पुणे जिले से 25 किसान 25 farmers from District Pune |
| खरीफ प्याज का पौधशाला प्रबंधन Kharif onion nursery management | मेरा गांव - मेरा गौरव, भाकृअनुप - प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune | 17 जुलाई, 2017 गडाकवाडी 17 July, 2017 Gadakwadi | पुणे जिले से 27 किसान 27 farmers from District Pune |
| खरीफ प्याज का पौधशाला प्रबंधन Kharif onion nursery management | मेरा गांव - मेरा गौरव, भाकृअनुप - प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune | 26 जुलाई, 2017 खैरेवाडी 26 July, 2017 Khairawadi | पुणे जिले से 35 किसान 35 farmers from District Pune |
| पछेती खरीफ प्याज की उत्पादन प्रौद्योगिकी Late kharif onion production technology | कृषि उत्पाद विपणन समिति, वैजापुर APMC, Vaijapur | 17 अगस्त, 2017 भाकृअनुप - प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे 17 August, 2017 ICAR-DOGR, Rajgurunagar | जिला औरंगाबाद से 25 किसान 25 farmers from District Aurangabad |
| प्याज एवं लहसुन की उत्पादन प्रौद्योगिकी Onion and garlic production technology | उप निदेशक (बागवानी), थेणी Deputy Director of Horticulture, Theni | 19 अगस्त, 2017 भाकृअनुप - प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे 19 August, 2017 ICAR-DOGR, Rajgurunagar | थेणी, तमिल नाडु से 40 किसान 40 farmers from Theni, Tamil Nadu |
| आदिवासी किसानों के आजीविका सुरक्षा के लिए प्याज व लहसुन की व्यावसायिक खेती Commercial cultivation of onion and garlic for livelihood security of tribal farmers | जनजातीय उप-योजना एवं संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम भाकृअनुप - प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे TSP and Sankalp to Siddhi programme, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune | 26 अगस्त, 2017 कृषि विज्ञान केन्द्र, नन्दुरबार 26 August, 2017, KVK, Nandurbar | जिला नन्दुरबार से 783 किसान 783 farmers from District Nandurbar |
| पछेती खरीफ प्याज का पौधशाला प्रबंधन Late kharif onion nursery management | मेरा गांव - मेरा गौरव, भाकृअनुप - प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune | 12 सितम्बर, 2017 मिटगुडवाडी 12 September, 2017 Mitgudwadi | पुणे जिले से 23 किसान 23 farmers from District Pune |
| प्याज व लहसुन की व्यावसायिक खेती Commercial cultivation of onion and garlic | जनजातीय उप-योजना भाकृअनुप - प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे TSP, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune | 4 - 5 अक्टूबर, 2017 कृषि विज्ञान केन्द्र, नन्दुरबार 4-5 October 2017 KVK, Nandurbar | जिला नन्दुरबार से 203 किसान 203 tribal farmers from District Nandurbar |

| प्रशिक्षण का विषय Topic of Training | द्वारा प्रायोजित Sponsored by | दिनांक एवं आयोजन स्थल Date and Venue | प्रतिभागियों की संख्या No. of participants |
|-------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------|
| प्याज व लहसुन की वैज्ञानिक खेती Scientific Cultivation of Onion and Garlic | कृषि एवं खाद्य क्षेत्र के लिए हरित नवोन्मेष केन्द्र, नारायणगांव Green Innovation Centre for Agriculture and Food Sector (GICAFS), Narayangaon | 5 - 7 अक्टूबर, 2017 भाकृअनुप - प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे 5-7 October 2017, ICAR-DOGR, Rajgurunagar | नारायणगांव, जिला पुणे से 20 किसान 20 farmers from Narayangaon, District Pune |
| प्याज में नाशीजीव रोग प्रबंधन Onion Pest Disease Management | मेरा गांव - मेरा गौरव, भाकृअनुप - प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune | 10 अक्टूबर, 2017 कान्हुर मेसाई 10 October, 2017 Kanhur Messai | पुणे जिले से 26 किसान 26 farmers from District Pune |
| रबी प्याज में पौधशाला प्रबंधन Rabi onion nursery preparation | मेरा गांव - मेरा गौरव, भाकृअनुप - प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune | 15 नवम्बर, 2017 वाफगांव 15 November, 2017 Wafgaon | पुणे जिले से 25 किसान 25 farmers from District Pune |
| प्याज में नाशीजीव रोग प्रबंधन Onion Pest Disease Management | मेरा गांव - मेरा गौरव, भाकृअनुप - प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune | 22 दिसम्बर, 2017 खैरेनगर 22 December, 2017 Khairnagar | पुणे जिले से 23 किसान 23 farmers from District Pune |

प्रदर्शनियों में भागीदारी / Participations in Exhibitions

| प्रदर्शनी Exhibition | आयोजक Organizer | दिनांक Date | आयोजन स्थल Venue |
|-------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------|-----------------------------------------------------|
| किसान आधार सम्मेलन 2017 Kisan Aadhar Sammelan 2017 | महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी MPKV, Rahuri | 25 - 29 सितम्बर, 2017 25-29 September, 2017 | महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी MPKV, Rahuri |
| विश्व खाद्य भारत 2017 World Food India 2017 | खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार Ministry of Food Processing Industries, Government of India | 3 - 5 नवम्बर, 2017 3-5 November, 2017 | नई दिल्ली New Delhi |
| कृषिथॉन प्रदर्शनी 2017 Krishithon Exhibition 2017 | मानव सेवा प्रतिष्ठान एवं माध्यम प्रदर्शक प्रा. लि., नासिक Human Service Foundation and Media Exhibitors Pvt. Ltd., Nashik | 23 - 27 नवम्बर, 2017 23-27 November, 2017 | नासिक, महाराष्ट्र Nashik, Maharashtra |
| किसान 2017 Kisan 2017 | किसान फोरम प्रा. लि., पुणे Kisan Forum Pvt. Ltd., Pune | 13 - 17 दिसम्बर, 2017 13-17 December, 2017 | पुणे, महाराष्ट्र Pune, Maharashtra |

दूरदर्शन प्रसारण एवं आकाशवाणी वार्ता

- महाजन, वी., 2017. खरीफ कांदा व्यवस्थापन आणि कांद्याची साठवणूक, आकाशवाणी वार्ता, 26 जुलाई, आकाशवाणी, पुणे
- गाडगे, एस.एस., 2017. रांगडा कांद्याची लागवड, आकाशवाणी वार्ता, 18 अगस्त, आकाशवाणी, पुणे
- गाडगे, एस.एस., 2017. रब्बी कांद्याच्या रोपवाटीकेची तैयारी, आकाशवाणी वार्ता, 14 अक्टूबर, आकाशवाणी, पुणे
- गाडगे, एस.एस., 2017. कांदा बीजोत्पादन, आकाशवाणी वार्ता, 26 फरवरी, आकाशवाणी, पुणे
- बेनके, ए.पी. 2017. लसूण लागवड, आकाशवाणी वार्ता, 27 अक्टूबर, आकाशवाणी, पुणे
- काले, आर.बी., 2017. कांदा काढणी, प्रतवारी आणि बिक्री व्यवस्थापन, आकाशवाणी वार्ता, 22 दिसम्बर, आकाशवाणी, पुणे
- खाडे, वाई.पी., 2017. कांदा प्रक्रियेतील संधी, आकाशवाणी वार्ता, 29 दिसम्बर, आकाशवाणी, पुणे

TV Shows and Radio Talks

- Mahajan V. 2017, *Kharif kanda vyavasthapan ani kandhyachi Sathavanuk*, Radio talk, 26 July, All India Radio, Pune
- Gadge S. S. 2017, *Rangda kandyachi lagvad*, Radio talk, 18 August, All India Radio, Pune
- Gadge S. S. 2017, *Rabbi kandyachya ropvatikechi tayari*, Radio talk, 14 October, All India Radio, Pune
- Gadge S. S. 2017, *Kanda beejotpadan*, Radio talk, 26 February, All India Radio, Pune
- Benke A. P. 2017, *Lasun lagvad*, Radio talk, 27 October, All India Radio, Pune
- Kale R. B. 2017, *Kanda kadhni, pratwari aani vikri vyavsthan*, Radio talk, 22 December, All India Radio, Pune
- Khade Y. P. 2017, *Kanda prakriyetil sandhi*, Radio talk, 29 December, All India Radio, Pune

कार्मिक/Personnel



डॉ. राजीव बलीराम काले

वैज्ञानिक (कृषि प्रसार) ने दिनांक 11 जुलाई, 2017 को कार्यभार ग्रहण किया।

Dr. Rajiv Baliram Kale

Scientist (Agricultural Extension)
joined on 11 July 2017



श्री एस.एस. गोपाले

कुशल सहायी कर्मचारी को दिनांक 22 जून, 2017 से वेतन मैट्रिक्स स्तर-1 से स्तर-2 में पदोन्नत किया गया।

Mr. S. S. Gopale

Skilled Supporting Staff promoted
from Pay matrix Level-1 to Pay
Matrix Level-2 from 22 June 2017



श्री आर.एस. कुलकर्णी

कुशल सहायी कर्मचारी को अक्टूबर, 2017 से केन्द्रीय संयुक्त कर्मचारी परिषद - फॉलोअप कार्रवाई समिति का सदस्य चुना गया।

Mr. R. S. Kulkarni

Skilled Supporting Staff elected as
member of CJS-C-FAC (Central Joint
Staff Council-Follow up Action
Committee) from October 2017



भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय

राजगुरुनगर, पुणे-410 505, महाराष्ट्र, भारत

दूरभाष: 02135- 222026, 222697, फैक्स: 02135- 224056 ईमेल: director.dogr@icar.gov.in

वेब: <http://www.dogr.res.in>

ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research

Rajgurunagar - 410 505, Pune, Maharashtra, India

Phone: 02135-222026, 222697 Fax: 02135-224056 E-mail: director.dogr@icar.gov.in

Website : <http://www.dogr.res.in>